निपाह वायरस

स्रोत: द हिंदू

स्वास्थ्य विशेषज्ञों और चिकित्सकों ने केरल में पशुओं से मनुष्यों में होने वाले **निपाह वायरस के संक्रमण** को लेकर चिंता व्यक्त की है।

- निपाह वायरस (NiV) एक ज़ूनोटिक वायरस **(पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाला)** है और यह दूषित भोजन के माध्यम से या प्रत्यक्ष रूप से लोगों के बीच भी फैल सकता है।
- **कारक:** निपाह वायरस इंसेफेलाइटिस के लिये उत्तरदायी जीव पैरामाइक्सोविरिडे श्रेणी तथा हेनिपावायरस जीनस/वंश का एक RNA अथवा राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस है तथा यह हेंड्रा वायरस से **निकटता से संबंधित** है।
- **मेज़बान वाहक:** NiV प्रारंभ में **घरेलू सुअरों, कुत्तों, बिल्लियों, बकरियों, घोड़ों और भेड़ों** में देखा गया।
  - यह रोग टेरोपस जीनस के **'फ्रूट बैट' अथवा 'फ्लाइंग फॉक्स'** के माध्यम से फैलता है, जो निपाह और हेंड्रा वायरस के प्राकृतिक स्रोत हैं। यह वायरस चमगादड़ के मूत्र और संभावित रूप से चमगादड़ के मल, लार व जन्म के समय निकलने वाले तरल पदार्थों में मौजूद होता है।
- **लक्षण:** मानव संक्रमण में **बुखार, सिरदर्द, मानसिक भ्रम, कोमा और संभावित मृत्यु** आदि शामिल हैं। इसमें मृत्यु दर **40% से 75%** है।
- **निदान (Diagnosis):** शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से रियल टाइम पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (Real-Time Polymerase Chain Reaction- RT-PCR) और एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट एसे (Enzyme-Linked Immunosorbent assay- ELISA) के माध्यम से एंटीबॉडी का पता लगाने से इसका निदान किया जा सकता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने निपाह को **प्राथमिकता वाली बीमारी** घोषित किया है।

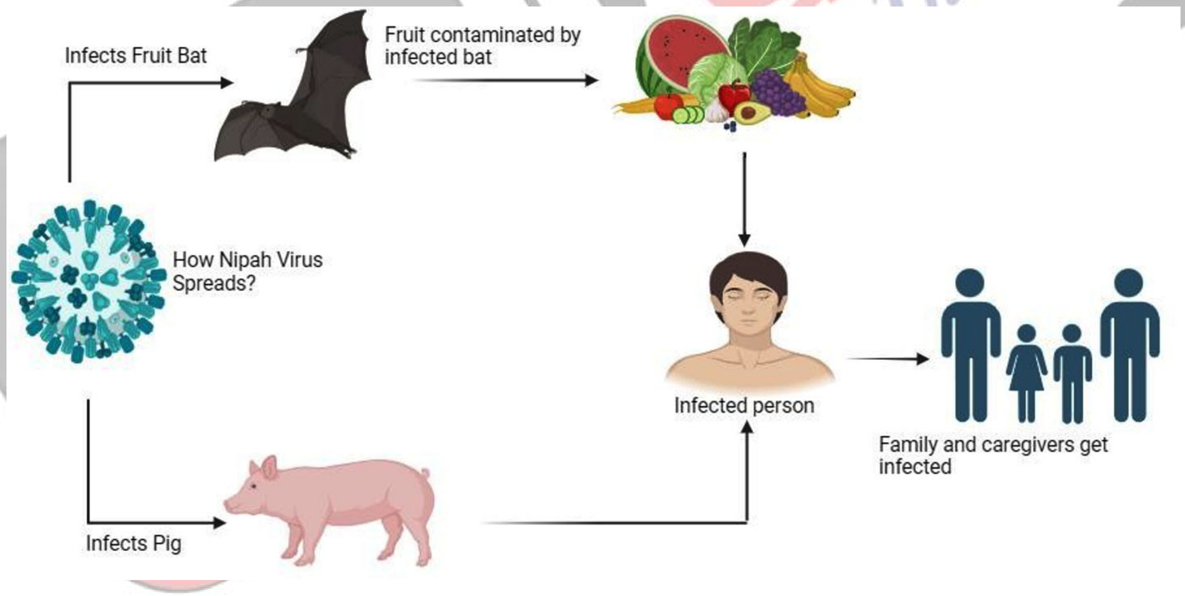

और पढ़ें: निपाह वायरस